ज़रा सिर खुजलाइए

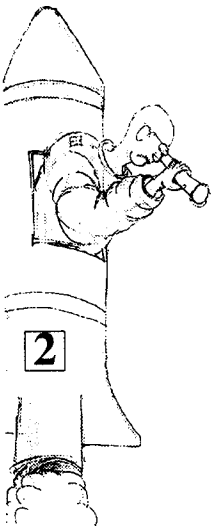

भाग:2 उत्तर ध्रुव पर। डॉ जोखिम को एकदम स्पष्ट था कि अगर डॉ घोलू और उनका दल अपने स्थान से 10 किलोमीटर दक्षिण, फिर 10 किलोमीटर पूर्व और फिर 10 किलोमीटर उत्तर जाने पर अपने शुरुआती स्थान पर वापस पहुंच गया था तो वे यकीनन उस समय उत्तरी ध्रुव पर थे। परन्तु उत्तरी ध्रुव पर उतरने पर उन्होंने पाया कि डॉ घोलू व उनके दल का कोई नामोनिशान ही नहीं था।

यह सोचकर कि पिछले दो दिनों में वे फिर से इधर-उधर भटक गए होंगे उन्होंने उत्तर ध्रुव के आसपास 20 किलोमीटर त्रिज्या का पूरा इलाका छान मारा परन्तु नतीजा सिफर रहा।

अचानक डॉ जोखिम ने अपने माथे पर हाथ मारा, "हम लोग गलत जगह पर ढूंढ रहे हैं। श्वेतु पर एक और स्थान है जो डॉ घोलू के आखिरी संदेश से मेल खाता है।"

"ऐसा कैसे हो सकता है?" डॉ. डॉली ने कहा, "अगर उनका शुरुआती स्थान उत्तरी ध्रुव से कुछ किलोमीटर की दूरी पर है तो उनके द्वारा बताए अनुसार तीन बार 10-10 किलोमीटर चलने पर वे अपने शुरुआती स्थान से कुछ दूर रह जाएंगे। उनका शुरुआती स्थान उत्तरी ध्रुव से जितना दक्षिण की तरफ होगा, उनके अंतिम स्थान की शुरुआती स्थान से दूरी बढ़ती ही जाएगी। श्वेतु-मध्य-रेखा पर पहुंचने पर अंतिम स्थान, शुरुआती स्थान से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर होगा और दक्षिण की तरफ जाने पर तो यह दूरी बढ़ती ही जाएगी!"

– फिर भी डॉ जोखिम को विश्वास था कि वे सही हैं। इस बार उन्होंने कहां खोजा होगा डॉ घोलू को?

भाग:3 देखिए पृष्ठ 48 पर।